

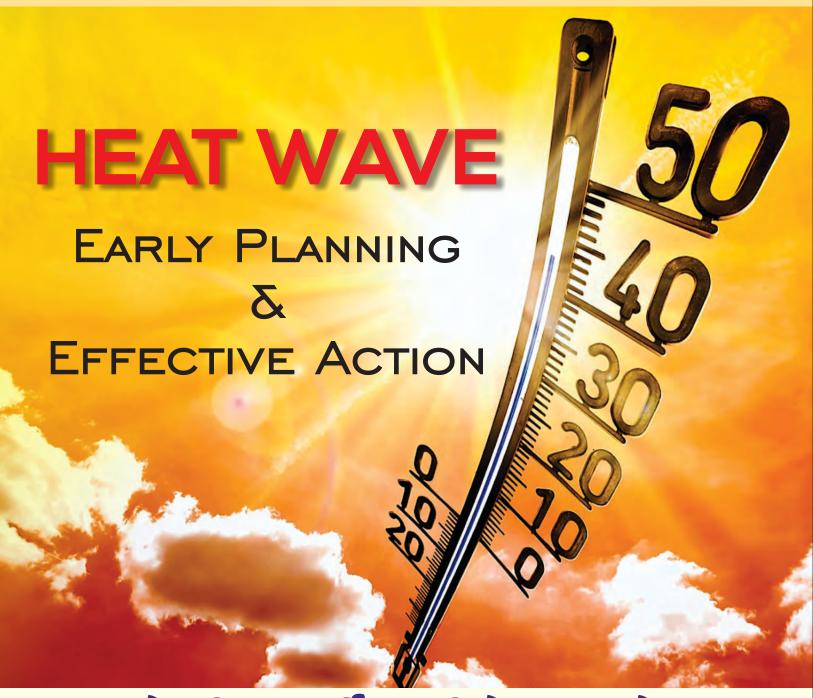




उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (UP SDMA)

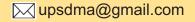
Inaugural Issue

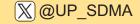
May 2024

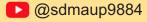


हारेगी गर्मी, जीतेगा प्रदेश

लू/तापघात जानलेवा हो सकता है, इससे बचाव ही उपचार है

















सन्देश

प्रिय पाठकों,

दिनांक 15 जनवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का दायित्व ग्रहण करना मेरे लिए गौरव की बात है। सैन्य सेवा के दौरान सभी स्तरों पर योजनाओं और तार्किक निर्णयों के क्रियान्वयन का वृहद अनुभव प्रदेश में आपदा न्यूनीकरण, तैयारी एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों के संचालन में उपयोगी साबित होगा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के तौर पर मैं आपको आपात स्थितियों में आवश्यकतानुसार कुशल प्रतिक्रिया और सुनियोजित पुनर्प्राप्ति के प्रति आश्वस्त करना चाहता हूँ।

हमारे आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों, पेशेवरों और अन्य इच्छुक पाठकों के साथ सार्थक और आकर्षक तरीके से जुड़ने के उद्देश्य से उ.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एक त्रैमासिक समाचार पत्रिका 'आपदा समाचार' का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है। सम्पूर्ण प्रदेश में आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में उ.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अपने प्रयास पूर्ण गंभीरता से जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें राज्य और जनपदों के उत्साही आपदा विशेषज्ञों एवं पेशेवरों की समान भागीदारी भी आवश्यक है। आपदा प्रबंधन के इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा करने के लिए हम आपके पूर्ण समर्थन और सहयोग की अपेक्षा करते हैं। हम आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में उल्लिखित समस्त आपदा प्रबंधन गतिविधियों के संचालन के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि उ.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भवन लखनऊ में शहीद पथ के निकट प्लॉट नंबर 7 / 10—बी, सेक्टर—7, गोमती नगर विस्तार में निर्माणाधीन है।

इस उद्घाटन संस्करण के माध्यम से उ.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अपने सभी पाठकों से 'हारेगी गर्मी, जीतेगा प्रदेश' के जन आंदोलन में शामिल होने की अपेक्षा करता है।

ले. जनरल. योगेन्द्र डिमरी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, (से.नि.)
 उपाध्यक्ष,
 उ.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण



UTTAR PRADESH STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH



ABOUT UPSDMA

On 23rd December 2005, the Government of India took a defining step by enacting The National Disaster Management Act, 2005, which envisaged the creation of the National Disaster Management Authority (NDMA) headed by the Prime Minister, State Disaster Management Authorities (SDMA) headed by the Chief Ministers, and District Disaster Management Authorities (DDMA) headed by the District Magistrates or Deputy Commissioners as the case may be, to spearhead and adopt a holistic and integrated approach to disaster management. There was a paradigm shift, from the erstwhile relief-centric response to a proactive prevention, mitigation, and preparedness-driven approach for conserving development gains and minimizing loss of life, livelihood, and property. The National Disaster Management Act 2005(Chapter 4) lays down the establishment of State Disaster Management Authority in the State. Accordingly UP SDMA was notified vide Notification dated 24 Nov 2005 and last amended on 16 Feb 2024 to be constituted as under:-

AUTHORITY- CHAIRPERSON & MEMBERS

- 1. The Chief Minister of Uttar Pradesh
- 2. Lt. Gen Yogendra Dimri, PVSM, AVSM, VSM, (Retd)
- 3. The Minister of Agriculture Department
- 4. The Minister of Urban Development Department
- 5. The Minister of Jal Shakti Department
- 6. The Minister of State (Independent charge) for Aayush Dept.
- 7. The Chief Secretary, Uttar Pradesh
- 8. The Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Home
- 9. The Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Revenue

Special Invitees

- 1.Agriculture Production Commissioner, Uttar Pradesh
- 2.Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Finance Department
- 3.Relief Commissioner, Uttar Pradesh

- Chairperson (Ex-Officio)
- Vice-Chairperson
- Member
- Member
- Member
- Member
- Member (Ex Officio)
- Member
- Member (Coordinator)

Editor

Dr. Kaneez Fatima

Project Director(Drought), UP SDMA

Technical Support

Mr. Prashant Kumar

Project Associate, UP SDMA



Training & Capacity Building



प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण/आपदा प्रबंधन तथा जलवायु परिवर्तन से संबंधित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु Review of DRR Activities विषय पर राज्य स्तरीय ०३ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक ०९.०१.२०२४ से ११.०१.२०२४ तक जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान, लखनऊ में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के समस्त जनपदों के सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से आपदा विशेषजों द्वारा प्रतिभाग किया गया।



20 February – The Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA), with technical support from UNICEF UP and the Indian Institute of Public Health, Gandhi Nagar, Gujarat, organized a half-day workshop titled "Inter-Department Capacity Building and Sensitization Workshop on Preparedness of Uttar Pradesh State Heat Action Plan-2024." The event brought together senior officials from various state departments, including the Home Department, Secondary Education Department, Health Department, Agriculture Department, Fire and Emergency Department, Panchayati Raj Department, State Disaster Response Force (SDRF), Energy Department, Rural Development Department, Local Government Directorate, Radio Police, Northeastern Railway, and Animal Husbandry Department. The workshop aimed to enhance inter-departmental coordination and capacity building in preparation for the state's Heat Action Plan-2024, reflecting UP SDMA's commitment to proactive and inclusive disaster management in alignment with national objectives.



प्राधिकरण द्वारा Disaster Resistant Construction विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12.03.2024 से 13 .03.2024 तक जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान, लखनऊ में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के समस्त जनपदों के पीडब्ल्यूडी विभाग और जिला विकास विभाग के अधिकारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।



Review of DRR Activities के दौरान हीट एक्शन प्लान-2023 की तैयारी में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले कुल 05 जनपद सुल्तानपुर, हरदोई,एटा, बागपत एवं गोंडा, हीट वेव एक्शन टेकेन रिपोर्ट-2023 हेतु कुल 05 जनपद गोरखपुर, मीरजापुर, ललितपुर, हाथरस एवं मुज़फ़्फ़रनगर के आपदा विशेषज्ञों को प्राधिकरण द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।



1 March – In alignment with the Prime Minister's Ten Point Agenda on Disaster Risk Reduction, which underscores the importance of early warning and effective response, UP SDMA organized a one-day training program on "Heat Wave Management (Early Planning and Effective Action)" at the Deendayal Upadhyay State Rural Development Institute auditorium in Lucknow. The session was attended by the Additional District Magistrate (F/R), Deputy Collectors, Additional Chief Medical Officer/Deputy Chief Medical Officer from the health department, Deputy Labour Commissioner/Assistant Labour Commissioner, and disaster management experts. The training aimed to enhance preparedness and response strategies for managing heat waves, emphasizing early planning and effective action to mitigate extreme heat impacts. This initiative reflects UP SDMA's commitment to improving disaster resilience across the state through a coordinated, multi-sectoral approach, in line with the national agenda for proactive and inclusive disaster management.



प्राधिकरण द्वारा Fire Safety and Risk Management विषय पर 01 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 15 .03.2024 को जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान, लखनऊ में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 75 जिलों के अग्निशमन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।



Building Resilience: Initiatives towards Disaster Preparedness



Chief Minister School Safety Programme Phase 2 successfully Implemented

Phase 2 of Chief Minister's School Safety Programme, witnessed disaster preparedness trainings, distributing IEC materials, and organizing mock drills in 3750 schools across all 75 districts of Uttar Pradesh. This initiative equips schools with essential knowledge and skills, ensuring the safety of students, teachers and staff members, underscoring UP SDMA's proactive approach to safeguarding educational environments and creating a resilient learning environment in the state.





समुदायों का सशक्तिकरण-समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण

परियोजना फेज २ उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा से पूर्व तैयारी हेतु कार्यक्रम के द्वितीय फेज में प्रदेश के ५६ जनपदों की कुल २८०० ग्राम पंचायतों में सामुदायिक आधाारित आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण परियोजना के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने, समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन तथा आम-जन मानस में जागरूकता के लिए आई०ई०सी सामग्री का वितरण भी सभी ग्राम पंचायतों में किया गया।



Expansion of Aapda Mitra Initiative - Training 4800 Home Guards Across 48 Districts

In a proactive move, UP SDMA is training 4800 Home Guards as Aapda Mitras across 48 districts, supplementing efforts in 27 districts under the National Aapda Mitra scheme. Coordinated by SDRF, this training equips Home Guards with essential skills for swift disaster response, demonstrating UP SDMA's commitment to proactive disaster management. This initiative highlights UP SDMA's forward-thinking approach. These trained personnel are poised to play a pivotal role in bolstering the state's disaster management infrastructure, further solidifying Uttar Pradesh's readiness to mitigate risks and safeguard communities.



मुख्यमंत्री वज्रपात जागरूकता कार्यक्रम

माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा वज्रपात की घटनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री वज्रपात जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया गया। प्रथम दो चरण के कार्यक्रमों में जनपद सोनभद्र, मीरजापुर, ललितपुर व प्रयागराज सहित ०४ जनपद स्तरीय, ४५ ब्लॉक-स्तरीय और ३३९३ ग्राम-स्तरीय कार्यशालाएँ चलायी गयी तथा ग्राम वासियों को आई०ई०सी० सामग्री का वितरण किया गया। सभी जनपदों के सभी ग्राम पंचायतों में वज्रपात की घटनाओं के प्रति सद्भढ़ करने के उद्देश्य से माइकिंग के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक भी किया गया।



Community Disaster Awareness Campaign - Vinyl and Sun-Board Installations

To educate communities on disaster preparedness vinyl and sun boards were installed across all districts. These boards serve as informative tools, providing essential Do's and Don'ts during various disaster scenarios. This initiative underscores UP SDMA's commitment to fostering resilience, ensuring communities are equipped to navigate and overcome natural calamities.



Dr. Kaneez Fatima, Project Director (Drought), UP SDMA

Heat Wave- Early Planning and Effective Action

Introduction

Climate change stands as one of the paramount global challenges of the twenty-first century. Predictions from the Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC) suggest that with the rise in global average temperatures, instances of severe temperature events will amplify in frequency and intensity (IPCC, 2022). The repercussions of climate change extend across all sectors, impacting both working and non-working populations alike. Among its myriad effects are the direct negative consequences such as heat fatigue and heat stroke, underscoring the urgent need for proactive measures to mitigate its impacts and adapt to the changing climate.

Heat-Induced Hazards in Uttar Pradesh

Uttar Pradesh, situated in the heart of the Indo-Gangetic plain, experiences a diverse climate, ranging from temperate in the east to extremely dry in the west and semi-arid in regions like Bundelkhand and Agra. The state witnesses heat wave conditions from March to June, with April being particularly scorching, with daytime maximum temperatures often exceeding 40°C. As March sets in, temperatures begin to rise steadily across Uttar Pradesh. Throughout this season, many areas observe a notable difference of over 15°C between the highest and lowest temperatures. As May transitions into June, maximum temperatures soar rapidly, surpassing 46°C in several parts, leading to extremely hot summers, particularly in Southwest Uttar Pradesh, notably in the Bundelkhand region.

Uttar Pradesh State Heat Action Plan 2024

The prolonged and widespread heatwaves, coupled with below-average rainfall, have adversely affected millions in Uttar Pradesh, one of India's most densely populated states. The Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA) serves as the

nodal agency for developing disaster risk reduction plans in the state. Preparation for addressing heatwaves in the summer of 2024 commenced as early as August 2023. In February of the following year, UP SDMA initiated the implementation of the Uttar Pradesh State Heat Action Plan 2024 to enhance preparedness and planning.

The Heat Action Plan aims to mitigate health risks associated with high temperatures, raise awareness among the public and stakeholders, promote the adoption of protective behaviours, and reduce morbidity and mortality rates through early warning and heat health communication systems. Serving as a crucial policy document, it outlines processes, responsibilities, early warning systems, and response mechanisms for various departments and organizations during heatwaves. These measures are vital adaptations to safeguard communities and save lives from the adverse effects of excessive heat.

Purpose and Key Strategies of Uttar Pradesh State Heat Action Plan

The Uttar Pradesh State Heat Action Plan serves as a comprehensive framework for implementing, coordinating, and evaluating extreme heat response activities in the state, aimed at mitigating the negative impacts of extreme heat events. The primary objective of the plan is to develop and implement heat health communication strategies specifically targeted towards vulnerable populations, who are most at risk of heat-related illnesses. Additionally, the plan emphasizes the establishment of an inter-departmental coordination framework that is multidimensional in nature, fostering collaboration and coordination among all line departments. This collaborative approach ensures the efficient implementation of the State Heat Action Plan, thereby enhancing the overall resilience of communities to extreme heat events.





Capacity Building/Training Programme

These are very important for mitigation and Disaster Risk Reduction. As part of the key strategies of Heat Action Plan, UP SDMA held a Interdepartmental capacity building and sensitization workshop on Heat Wave on 20 Feb 2024 inviting all the State Department, UNICEF, IMD and other stakeholders to discuss preparedness related to heat waves. A training program was also held on 1 March 2024 inviting all the district level senior officials from revenue, health and labour department to discuss about effective management of heat wave at district level

Information Education And Communication (IEC)

The Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA) employs a multifaceted approach, utilizing print, electronic and social media channels to disseminate vital public awareness messages aimed at protecting against extreme heatwaves. Various IEC materials, including pamphlets, posters, advertisements and short video films have been developed by UP SDMA to educate the public on important Do's and Don'ts as well as effective treatment methods for heat-related illnesses. In addition, UP SDMA has designed informative colored sticking posters focusing on Do's and Don'ts during heatwaves, which have been distributed at the district level. Approximately 12.4 lakh self-sticking posters were distributed across all divisions, districts, CDO offices, BDO offices, tehsils, and gram panchayats of Uttar Pradesh during heatwaves. Furthermore, a short-animated video on heatwaves has been created and disseminated through various social media platforms to enhance

community awareness.

Awareness Programme:

The Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA) has undertaken proactive measures in heatwave management through a range of initiatives. These include the implementation of Community-Based Disaster Management Training Programme, Chief Minister School Safety Programme and a comprehensive one-day disaster risk management awareness training program targeting school teachers, Panchayat Secretaries, Gram Pradhans, Rajasv Kanungos, and Lekhpals. These efforts, coupled with the empowerment of participants as master trainers, underscore UP SDMA's dedication to fostering community resilience and enhancing disaster risk management awareness throughout Uttar Pradesh.

<u>Collaboration With Non-Governmental And Civil</u> <u>Society Organizations</u>

The Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA) is forging partnerships with non-governmental organizations (NGOs) and civil society organizations to enhance infrastructure and response capabilities. A Coordination Meeting was convened in April 2024, chaired by the Hon'ble Vice Chairperson of UP SDMA, with select national and state NGOs. During the meeting, NGOs were invited to share their feedback, experiences, and suggestions with UP SDMA, fostering an environment of collaboration and mutual support in disaster management efforts.

Conclusion

The Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA) has instituted a robust system aimed at enhancing the reporting, recording, and evaluation of activities undertaken by District Authorities. This systematic approach guarantees the implementation of heatwave management strategies across districts in a transparent, accountable, and efficient manner. By ensuring effective coordination and oversight, UP SDMA is poised to address heatwave challenges comprehensively, safeguarding the well-being of communities across Uttar Pradesh.



International Participation

Shri Chandrakant, Project Expert, Flood Control at UP SDMA, recently completed a three-month program in Japan.







Mr. Chander Kant, Project Expert in Flood Control at UP SDMA was nominated as a participant in the Visiting Researcher Program at the Asian Disaster Reduction Center (ADRC), Japan. Serving as a Visiting Researcher, Chander Kant had the privilege of representing our State and immersing himself in Japan's remarkable advancements in disaster management. Here are some insights and learnings from the program.

• Learning from Experts

Through this immersive experience, Chandrakant had the privilege of engaging with seasoned experts on a daily basis, fostering cross-cultural learning and broadening his understanding of disaster resilience strategies. Workshops, seminars, and site visits were instrumental in providing in-depth insights into Japan's innovative approaches to disaster risk reduction, equipping Chandrakant with invaluable knowledge to contribute to disaster management efforts in Uttar Pradesh.

• Technological Interventions

Japan's commitment to cutting-edge technology, especially in the realm of early warning systems, can leave a lasting impression. Witnessing real-time earthquake alerts and tsunami predictions was truly remarkable, which showcased Japan's advanced capabilities in disaster preparedness. Additionally, delving into remote sensing and Geographic Information Systems (GIS) techniques during the program further enriched Chander Kant's knowledge base, highlighting innovative approaches to disaster risk reduction that can be applied in Uttar Pradesh and beyond.

• Community-Centric Approach

Japan's approach to community engagement stood out exemplarily during the program. The strategies were notable for their inclusivity and effectiveness in involving local residents in disaster preparedness efforts. Participation in evacuation drills underscored the critical importance of preparedness at the grassroots level, highlighting the need for coordinated community response. Furthermore, Japan's effective public awareness campaigns are, aligned closely with a mission to empower communities with essential knowledge and skills for disaster resilience.

Post-Disaster Recovery

Japan's exemplary focus on recovery and urban planning was evident during the program, showcasing resilience in action. The meticulous reconstruction efforts highlighted the nation's ability to bounce back from adversity, while trauma counseling services underscored the human aspect of recovery. These insights offer valuable lessons for disaster management initiatives in Uttar Pradesh.

Building Bridges

Interacting with diverse researchers during the program greatly enriches the experience. Overcoming language barriers and embracing cultural nuances facilitated the establishment of global connections. These interactions served to broaden perspectives and foster collaboration across borders, contributing to a more inclusive and interconnected approach to disaster management.



SDMA Activities



17 जनवरी - उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक की गई।



17 जनवरी - माननीय उपाध्यक्ष महोदय ने उत्तर प्रदेश राज्य आपदा मोचन बल, लखनऊ के राहत व बचाव उपकरणों का अवलोकन किया।



07 फरवरी - राहत वाणी सेंटर को आपदा न्यूनीक<mark>रण</mark> संबंधी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने हेतु सुझाव और प्रोत्साहन दिया गया।



09 फरवरी - जनपद गोरखपुर में अधिकारियों के साथ मण्डल स्तरीय बैठक आयोजित की गईं, जिसमें आपदा से जनहानि को कम करने और बेहतर इंटर-एजेंसी समन्वय के लिए सुझाव दिए गए।



14 फरवरी - UP Dial 112 के अधिकारियों के साथ इमरजेसी रिस्पॉन्स सेंटर और नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली और व्यवस्था की जानकारी ली गई।



21 फरवरी - प्रधिकरण एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच कृषि क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन संबंधी गतिविधियों के कुशल संचालन के लिए एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किया गया।



22 फरवरी - चित्रकूट मण्डल के अधिकारियों के साथ मण्डल स्तरीय बैठक की एवं बेहतर अंतर एजेंसी समन्वय बनाने हेतु सुझाव दिये |



26 फरवरी - रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन्स सेंटर, उ.प्र. के कार्यवाहक निदेशक श्री आर0 पी0 कुँवर व अन्य अधिकारियों के साथ रिमोट सेंसिंग सेंटर की कार्य-प्रणाली के बारे में चर्चा किया गया।



SDMA Activities



04 मार्च - मौसम केंद्र लखनऊ के अधिकारियों के साथ आकाशीय विद्युत, सूखा और बाढ़ से संबंधित पूर्व चेतावनी हेतु नवीनतम एवं आगामी प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी |



07 मार्च - जनपद प्रयागराज में आपदा प्रबंधन कार्यो की मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक कर जनहानि को न्यून करने के निर्देश दिए गये साथ ही जनपद प्रयागराज के EOC का भ्रमण कर, EOC को पूर्ण रूप से क्रियाशील करने हेतु निर्देश दिए गये|



07 मार्च - मा० उपाध्यक्ष महोदय द्वारा जनपद प्रयागराज संगम पर स्थानीय प्रशासन के साथ जल पुलिस के संचालन एवं कार्यों के बारे में चर्चा किया गया।



14 मार्च - बाढ़ प्रबंधन सूचना प्रणाली केंद्र,लखनऊ एवं बाढ़ कंट्रोल रूम का भ्रमण कर सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बाढ़ के दौरान उनके द्वारा किये जा रहे ऑनलाइन सूचना तंत्र संबंधी कार्यों की जानकारी ली, साथ ही इसे और सुदृढ़ बनाने के सुझाव दिए।



Aligned with the Prime Minister's Ten Point Agenda on Disaster Risk Reduction, which emphasises the central role of women's leadership in disaster risk management, the Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA), in collaboration with District Disaster Management Authorities (DDMAs), organised a training programme on 'Role of Women Self-Help Groups (SHGs) in Disaster Risk Reduction (DRR)' at the divisional level during 2023-24. Over 5,500 women's self-help group leaders, as well as state and district officials, actively participated in this initiative. Recognising their critical role in community resilience and disaster preparedness, the programme sought to provide women leaders with knowledge and skills in Disaster Risk Reduction. By engaging women at the forefront of DRR efforts, UP SDMA underscores its commitment to inclusive and gender-responsive disaster management strategies in Uttar Pradesh.



DDMA Glimpses

DDMA MIRZAPUR

Best Practice: Management of Heat Wave & Enhancing Lightning Resilience"

SMT. PRIYANKA NIRANJAN (IAS), D.M SHRI SHIV PRATAP SHUKLA, ADM(F/R) SHRI ANKUR GUPTA, District Disaster Expert







Public Awareness Campaigns: DDMA-Mirzapur conducts extensive awareness campaigns to educate the public about the risks associated with heat waves and measures to stay safe during extreme heat conditions.

Cold rooms have been created in all 53 health centers of Mirzapur.

Actions are being taken on basis of the heat early warning issued by IMD such as in lieu of student safety, study **timing in all basic school**s have been fixed at 7:30 AM to 11:30 AM.

ORS corner has been created in all the 809 Panchayat bhawan and 53 health centers of Mirzapur.

Nagar Palika and Nagar Panchayats Amplify Heat Wave Preparedness with UPSDMA Audio Jingles

Pilgrims at Chaitra Navratri Mela in Mirzapur were provided with free water kiosks, subsidized lunch, tentage, fans, and 12 **health camps for medical assistance**, ensuring their comfort and well-being during the festivities.

24 **new water coolers** have been installed across Mirzapur at public gathering spots, aiming to provide relief and refreshment to the local community.











Cold Room in 53 Health Centers

ORS Corner in Panchayat Bhawan and health centers

Mirzapur, highly prone to lightning strikes in Uttar Pradesh, sees frequent lightning-related fatalities. To address this, the District Disaster Management Authority (DDMA-Mirzapur) has created a lightning heat map, pinpointing vulnerable areas based on three years of data on lightning deaths.

DDMA Mirzapur, in collaboration with CROPC, developed a lightning hotspot map correlating lightning sensor data with lightning-related fatalities' latitude-longitude. This initiative identified areas with frequent lightning strikes and deaths over three years (2019 to 2022). Consequently, a project aiming to install 80 lightning arresters in Phase 1 in Mirzapur is proposed under the State Disaster Mitigation Fund (SDMF) to mitigate lightning related fatalities. Each lightning arrester, with a protection radius of 107 meters in Level IV, follows NFC 17-102 standards.





DDMA Glimpses -

DDMA GONDA

Best Practice: Awareness on Heat Wave

SMT. NEHA SHARMA (IAS), D.M SHRI CHANDRA SHEKHAR, ADM(F/R)

SHRIRAJESH SRIVASTAVA, District Disaster Expert





DDMA Gonda Releases Heat Wave Awareness Video to Safeguard Community

The District Disaster Management Authority (DDMA) in Gonda has launched a Heat Wave Awareness Video, aiming to educate residents on essential precautions during extreme heat conditions. The video has been circulated to district officials and local media which highlights crucial safety measures like staying hydrated and seeking shaded areas. This proactive initiative underscores DDMA Gonda's commitment to public health and safety amidst rising temperatures.

Link - https://www.youtube.com/watch?v=0u1xRQz5Xhs&ab channel=SdmaUp

DDMA MAINPURI

SHRI AVINASH KRISHNA SINGH (IAS), DM SHRI RAM JI MISHRA, ADM(F/R) SMT. ANKITA SAXENA, District Disaster Expert **DDMA SHRAVASTI**

SMT. KRITIKA SHARMA (IAS), DM SHRI AMERANDRA KUMAR VERMA, ADM(F/R) SHRI ARUN KUMAR MISHRA, District Disaster Expert

Best Practice: राहत चौ<mark>पाल मे दिये प्रशिक्ष</mark>ण की जानकारी से जनपद मैनपुरी में किसान को मिला जीवन दान



माह अक्टूबर 2023 को ग्राम राजलपुर पोस्ट सोनई जनपद मैनपुरी में श्री अनेक सिंह पुत्र श्री तन्दराम को खेत में काम करते समय सर्प ने काट लिया था। घटना स्थल पर मौजूद लोग झाड़-फूँक जैसे कार्य करने वाले थे। प्रत्यक्ष दर्शी में से एक ग्रामीण वासी श्री सुशील कुमार ने जनपद के राहत चौपाल में आपदा से बचाव संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्पदंश से बचाव की जानकारी प्राप्त की थी। उसने तत्परता के साथ किसान को सर्प के काटे स्थान की अच्छी तरह धुलाई करवाई तथा तत्काल नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरावली में लाकर इलाज कराया गया एवं एंटी वेनम लगाया गया, जिसके कारण छोटे किसान श्री अनेक सिंह की जिंदगी बच गई।

Best Practice: हीट वेव जन-जागरुकता कार्यक्रम



जनपद श्रावस्ती में 167 आपदा मित्रों के माध्यम से 390 गांव में हीटवेव जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके माध्यम से 5000 ग्रामीणों को सीधे तौर पर हीटवेव से बचने की सलाह दी गयी। यू. पी. एस. डी. एम. ए. द्वारा प्रदत्त 1000 जागरूकता पोस्टर को विद्यालयों, राशन की दुकानों व पंचायत भवनों पर लगाया गया तथा सभी स्कूलों व इंटर कालेजों में प्रार्थना सभा के दौरान भी बच्चों को हीटवेव के प्रति जागरूक कराया जा रहा है। सभी आंगनबाड़ी कार्यकित्रयों को व महिला समूहों को हीटवेव जन-जागरूकता अभियान से जोड़ा गया है तथा जनपद के सभी पेट्रोल पंप, बस स्टाप, अस्पताल व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शीतल पेयजल की व्यवस्था संबंधित विभागों से करवायी गयी है। जनपद में हो रहे विभिन्न अग्निकांड में जिन पीड़ितों के घर जल जाते हैं उनको हीटवेव से बचाने के लिए रेडक्रॉस द्वारा विर्पाल समेत अन्य सामग्री तत्काल प्रदान की जाती है, जिससे वो अपने व अपने परिवार को बचा सकें।



DDMA Glimpses -

Best Practice:

"मुख्यमंत्री बाल तरणवीर कार्यक्रम" एवं हीट वेव जन-जागरूकता कार्यक्रम

DDMA VARANASI

SHRIS. RAJALINGAM (IAS), D.M MS. VANDITA SRIVASTAVA, ADM(F/R) SHRISANJEEV SINGH, District Disaster Expert





''मुख्यमंत्री बाल तरणवीर कार्यक्रम'' के अंतर्गत डूबने से बचाव हेतु 01 दिवसीय मण्डल स्तरीय कार्यशाला एवं मॉक डिल का आयोजन जनपद वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर <mark>के त्रयम्बकेश्वर मल्टीपर्पज हॉल</mark> में किया गया । उक्त कार्यशाला में श्री राजेन्द्र सिंह, सदस्य, राष्ट्रीय आप<mark>दा प्रबंधन प्राधिकर</mark>ण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, श्री संजीव कुमार जिन्दल, संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय, <mark>भारत सरकार,</mark> श्री जी०एस० नवीन कुमार, सचिव एवं राहत आयुक्त, उ०प्र० शासन, श्री कौशल राज श<mark>र्मा, मण्डला</mark>युक्त, वाराणसी मण्डल, वाराणसी, डी०आई०जी०, ११वी वाहिनी, एन०डी०आर०एफ०, वाराणसी<mark>, श्रीमती</mark> अदिति उमराव, <mark>परि</mark>योजना निदेशक, राहत आयुक्त, कार्यालय, लखनऊ, मण्डल स्तर के अधिकारी<mark>गण एवं म</mark>ण्डल के जनपदों से आए अधिकारीगण, एस०डी०आर०एफ०, पी०ए०सी०, जल पुलिस, नौका संचा<mark>लक, नाविक,</mark> गोताखोर, तैराक, घाट प्रबं<mark>धन से जुडे</mark> अन्य व्यक्ति, आपदा मित्र, नागरिक सुरक्षा व अन्य सहयोगी सहि<mark>त लगभग ४</mark>०० लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।



LED Screens

Heat Wave Prevention and Awareness Efforts in District Varanasi

- Continuous broadcasting of Heat Wave Do's & Don'ts on LED screens installed by the smart city in Varanasi
- · Municipal Corporation employing water sprinkler vehicles to provide relief from the heat wave by spraying roads
- Heat Wave Do's & Don'ts broadcasted on the PA System at the Bus Stand by UPSRTC.
- Schoolchildren educated about heat wave prevention through videos on smart class LED screens
- Videos on heat wave prevention broadcasted on LED screens at divisional headquarters, District headquarters, and Tehsils for public awareness.
- · Posters on Heat Wave Do's & Don'ts distributed by UPSDMA at wheat purchasing centers to educate farmers and the general public.
- Aapda Mitras disseminating awareness about heat wave prevention among villagers using posters provided by UPSDMA Lucknow.
- Kiosks set up at major intersections and markets, as well as ghats, for disseminating information and providing assistance
- Shri Kashi Vishwanath Temple providing shade and water fans to protect devotees from heat wave.







Water Sprinkler Vehicles



DDMA Glimpses

DDMA MAHARAJGANJ

SHRI ANUNAYA JHA (IAS), D.M

DR. PANKAJ KUMAR VERMA, ADM(F/R)

SHRI CHANDAN KUMAR DWIVEDI, District Disaster Expert





Aapda Mitra's Quick Response Saves Snake Bite Victim in Maharajganj

In Maharajganj district, snake bites are a growing concern. DDMA Maharajganj, along with local Apda Mitras, actively addresses this issue through awareness campaigns. Recently, Mr. Ajeet Chaudhary, an Apda Mitra, saved Mr. Shri Ram's life by quickly arranging medical assistance. Advising against traditional remedies, he ensured Mr. Ram received prompt treatment at Nehru Hospital, BRD Medical College Gorakhpur, leading to his successful recovery. This incident highlights the importance of community engagement in mitigating snake bite risks.

DDMA HAPUR

SMT. PRERNA SHARMA (IAS), DM SHRI SANDEEP KUMAR, ADM(F/R) SHRI MANOJ KUMAR, Nodal Officer, DDMA
SHRI GAJENDRA SINGH BAGHEL, District Disaster Expert

Workshop with Army Personnel and Sainik Bandhu





In a pioneering initiative to revamp disaster management training programs, particularly in Western Uttar Pradesh and Hapur, an integral part of the NCR, we are forging partnerships with Army Officers, Soldiers, and Sainik Bandhus. This collaboration aims to promote comprehensive awareness of disaster preparedness, emphasizing the Do's and Don'ts across various disaster types. A key focus is on equipping participants with expertise in pre-heatwave treatment and raising awareness about heat stroke and heat exhaustion, among other critical aspects.

Actions to Take if Someone Suffers Heat Exposure

- Move the person to a cool place under shade.
- Offer water or a rehydrating drink if the person is conscious.
- Fan the person to aid in cooling.
- Seek medical advice if symptoms worsen, persist, or if the person becomes unconscious.
- Avoid giving alcohol, caffeine, or aerated drinks.
- Apply a cool wet cloth to the person's face or body to help cool them.
- Loosen the person's clothing to improve ventilation and aid in cooling.

COL. VIVEK, ZILA SAINIK KALYAN ADHIKARI



DDMA Glimpses -

Best Practice: Industrial Disaster Preparedness: Conducting a Comprehensive Mock Drill

DDMA GORAKHPUR

SHRI. KRISHNA KARUNESH, (IAS), D.M SHRI VINEET KUMAR SINGH, ADM(F/R) SHRI GAUTAM GUPTA, District Disaster Expert



जनपद गोरखपुर में 11 मार्च 2024 को एच. पी. सी. एल. बॉटलिंग प्लांट गीडा में हुए रिसाव को रोकने तथा घटित दुर्घटना में त्वरित कार्यवाही हेतु मॉकड्रिल का आयोजन स्थानीय प्रशासन, एन. डी. आर. एफ., एस. डी. आर. एफ. , एच. पी. सी. एल. , आई.ओ. सी. एल. , आई.जी.एल. तथा अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ किया गया | मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य कारखानो एवं जिला व तहसील प्रशासन के मध्य समन्वय स्थापित करना तथा कारखानों के पास कौन-कौन से संसाधन उपलब्ध हैं जिससे किसी भी आकस्मिक स्थिति में एक दूसरे का सहयोग किया जा सकता है का आकलन किया जाना है।



पिर्श्थ-प्रातः ११:०० बजे एच.पी. सी. एल. द्वारा तहसील एवं जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को यह अवगत कराया गया कि फैक्ट्री के अंदर रिसाव हो रहा है जिसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन यह संभावित है कि उक्त घटना व्यापक रूप ले सकती है। अतः तत्काल आवश्यक सहयोग प्रदान करें।सूचना प्राप्त होते ही जिला इ.ओ. सी. द्वारा एन.डी. आर. एफ., एस. डी. आर. एफ. एवं अग्निशमन विभाग को अलर्ट किया गया और घटना स्थल पर पहुंचने के लिए सूचित किया गया।उप जिला अधिकारी सहजनवाँ द्वारा पिपरौली और सहजनवाँ थाने को निर्देशित किया गया कि सहजनवा थाने से जीरो पॉइंट कालेसर तक यातायात बाधित किया जाए और राहत एजेंसी घटना स्थल पर पहुंच सके, इस हेतु टीम को ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध कराया जाए।तहसील प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए कार्य प्रारंभ किया और कोई ग्रामीण व व्यक्ति हताहत ना हो इस हेतु तत्काल प्रभाव से आई.टी.एम. गीडा एवं मुरारी इंटर कॉलेज में राहत केंद्र स्थापित कर दिया गया। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध बस के माध्यम से ग्रामीणों को राहत केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।तीन चिकित्सकीय दल गठित किए गए जिसमें से एक घटनास्थल पर और बाकी दो को राहत केंद्र पर तैनात किया गया जिससे कि प्राथमिक उपचार इत्यादि की कार्यवाही अविलंब शुरू की जा सके।घटना व्यापक रूप ना ले, उक्त के दृष्णित आसप्ताई को बाधित कर दिया गया। रिसाव की घटना व्यापक रूप ना ले, इसके दृष्टिगत आसपास की फैक्ट्री के सर्वे का कार्य एस.डी.आर.एफ. के माध्यम से प्रारंभ कर दिया गया। घटनास्थल पर एन.डी.आर.फ. और अग्निशमन विभाग ने मोर्चा लिया और प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया।इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई की फैक्ट्री के बाहर मुख्य मार्ग पर एक टैंकर में आग लग गई है जिस पर तत्काल काबू पाया जाना आवश्यक है। अग्निशमन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए उक्त पर काबूपाया और फैक्ट्री के पास उपलब्ध संसाधनों का भी प्रयोग दूल में किया गया।

DDMA JHANSI

SHRI. AVINASH KUMAR (IAS), DM
SHRI VARUN KUMAR PANDEY, ADM(F/R)
SHRI KRISHNA KUMAR TRIPATHI, District Disaster Expert

DDMA SONBHADRA

SHRI. CHANDRA VIJAY SINGH (IAS), DM
SHRI SAHDEV KUMAR MISHRA, ADM(F/R)
SHRI PAVAN KUMAR SHUKLA, District Disaster Expert

Heat Wave Awareness Workshops in Schools





जनपद झांसी में सभी स्कूलों व इंटर कालेजों में प्रार्थना सभा के दौरान भी बच्चों को हीटवेव के प्रति जागरूक कराया जा रहा है साथ ही छात्र-छात्राओं को क्लास में भी हीटवेव से बचाने के लिए उपायों पर चर्चा की गयी, जिससे वो अपने व अपने परिवार को बचा सकें।

Best Practice: Lightning Early Warning System

जनपद सोनभद्र आकाशीय विद्युत/वज्रपात के दृष्टिगत प्रदेश का एक अति संवेदनशील जनपद है | जनपद में प्रत्येक वर्ष लगभग 30-35 व्यक्तियों की मृत्यु आकाशीय विद्युत से घटित होती है, जिसको न्यून करने के उद्देश्य से उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण, लखनऊ व टेक फॉर टूमारो, नई दिल्ली, संस्था के सौजन्य से जनपद सोनभद्र के तहसील दुद्धी के ब्लाक दुद्धी में कुल 31 स्थानों का चयन कर वज्रपात सुरक्षा अलार्म उपकरण लगाये जाने का कार्य किया गया है।







यह उपकरण एक ऑटोमेटिक उपकरण है, जो चिन्हित स्थलों पर अक्षांश-देशान्तर के आधार पर स्थापित किया गया है जो बैटरी, सोलर व बिजली के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। जिसके द्वारा उक्त स्थलों के आस-पास वज्रपात की घटना होने से 30 मिनट पूर्व मोबाइल एस0एम0एस0 के माध्यम से संबंधित अधिकारी/कर्मचारी/ग्राम प्रधानों व जागरूक जन-मानस को अवगत कराने का कार्य कर रहा है| इस उपकरण में वज्रपात होने के 30 मिनट पूर्व पीले रंग की लाईट जलने के उपरान्त मध्यम गित से हूटर बजने की ध्वनि सुनाई पड़ेगी जो लगातार बजती रहेगी जिसकी दूरी 3-4 किलोमीटर की परिधि तक सुनाई देगी, यदि वज्रपात की घटना प्रबल स्थिती में प्रतीत होगी तो यह उपकरण 5 से 10 मिनट पूर्व लाल रंग की लाईट जलने के रूप में प्रदर्शित होकर तेज आवाज़ में बजता है जिसकी ध्वनि 3 से 4 किलोमीटर की परिधि तक सुनाई पड़ती है|





New UP SDMA Building at Plot No.-7/10-B Sector-7, Gomti Nagar Extension, on Shaheed Path, Lucknow

Theme of Next Edition of Aapda Samachar - Flood & Lightning Preparedness

Readers are requested to send good quality, 2-3 high-resolution photographs along with writeup not exceeding 400 words by 30 June 2024.



Uttar Pradesh State Disaster Management Authority (UP SDMA)

Address: B-1 Block, Picup Bhawan, Pickup Bldg Rd, Vibhuti Khand,

Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh

Website: https://upsdma.up.nic.in Email upsdma@gmail.com Phone: 0522-2306882

For more information, visit our web at www.upsdma.up.nic.in